॥ श्रीहरि: ॥

1897

महर्षि वेदव्यासप्रणीत

श्रीमद्देवीभागवतमहापुराण

[प्रथम खण्ड]

(सचित्र, सरल हिन्दी-व्याख्यासहित)

स्कन्ध १ से ६ तक

त्वमेव माता च पिता त्वमेव
त्वमेव बन्धुश्च सखा त्वमेव।
त्वमेव विद्या द्रविणं त्वमेव
त्वमेव सर्वं मम देवदेव॥

गीताप्रेस, गोरखपुर

॥ श्रीहरिः ॥

विषय-सूची

अध्याय	विषय	पृष्ठ-संख्या

तृतीय स्कन्ध

अध्याय	विषय	पृष्ठ-संख्या

चतुर्थ स्कन्ध

॥ श्रीहरिः ॥

1898

महर्षि वेदव्यासप्रणीत

श्रीमद्देवीभागवतमहापुराण

[द्वितीय खण्ड]

(सचित्र, सरल हिन्दी-व्याख्यासहित)

स्कन्ध ७ से १२ तक

त्वमेव माता च पिता त्वमेव
त्वमेव बन्धुश्च सखा त्वमेव।
त्वमेव विद्या द्रविणं त्वमेव
त्वमेव सर्वं मम देवदेव॥

गीताप्रेस, गोरखपुर

विषय-सूची

अष्टम स्कन्ध

अध्याय	विषय	पृष्ठ-संख्या

नवम स्कन्ध

अध्याय	विषय	पृष्ठ-संख्या

अध्याय	विषय	पृष्ठ-संख्या